



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 314]
No. 314]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 12, 2007/आश्विन 20, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 12, 2007/ASVINA 20, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 2007

सं. 68/(आर ई-2007)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/143/एएम 08/पीसी-1.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009, के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा, विभिन्न अभिकरणों को मान्यता देने के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देशों को अधिसूचित करते हैं और प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) परिशिष्ट-4ग में उद्गम प्रमाणपत्र (गैर-तरजीही) जारी करने के लिए इन अभिकरणों को प्राधिकृत करते हैं :—

- (क) प्रार्थी वाणिज्य मंडल, उद्योग संघों आदि को सरकार के सम्बद्ध अधिनियम के अधीन कम्पनी, ट्रस्ट अथवा सोसायटी के रूप में पंजीकृत होना चाहिए और इसकी स्थापना लाभ हेतु नहीं की जानी चाहिए। स्वामित्व/हिस्सेदारी वाली फर्में यह मान्यता पाने की हकदार नहीं होगी।
- (ख) प्रार्थी के पास कार्यालय हेतु 1000 वर्ग फीट न्यूनतम स्थान होना चाहिए।
- (ग) प्रार्थी के पास अपने वेतन चिट्ठे पर कम से कम 5 कर्मचारी (समूह 'घ' के कर्मचारियों की संख्या को छोड़कर) होने चाहिए। ऐसे कर्मचारियों में से कम से कम 2 तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त होने चाहिए।

- (घ) मान्यता के लिए आवेदन कर रहे प्रार्थी को निर्यात संवर्धन संबंधी संगोष्ठियों को नियमित रूप से आयोजित करते रहना चाहिए और किसी प्रतिष्ठित व्यापार संवर्धन एजेंसी द्वारा कम से कम तीन संगोष्ठियों को आयोजित करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

जाँच करने हेतु क्षेत्रीय प्राधिकारियों के लिए दिशा-निर्देश:

- (क) जाँच न्यूनतम एफटीडीओ/सहायक डीजीएफटी पद के किसी अधिकारी द्वारा की जाएगी और कम से कम एक अधिकारी इनकी मदद करेगा।
- (ख) जाँच रिपोर्ट में आवेदन पत्र में दिए गए सभी ब्यौरों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाएगा तथा सूचीबद्ध करने की सिफारिश से पहले इनके ठीक होने की जाँच की जायेगी।
- (ग) जाँच रिपोर्ट में दिशा-निर्देशों में यथा उल्लिखित सूचीबद्ध करने के लिए मानदंड के बारे में एजेंसी के ब्यौरे दिए जायेंगे।

2. परिशिष्ट-4ग के तहत उद्गम प्रमाण-पत्र (गैर तरजीही) जारी करने के लिए पहले से सूचीबद्ध सभी एजेंसियों को 31-3-2008 तक दस्तावेजी प्रमाण के साथ उपरोक्त सभी मानदंडों को पूरा करना होगा, ऐसा न कर सकने पर प्राधिकृत एजेंसी के रूप में उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी और इन्हें 1-4-2008 से परिशिष्ट-4ग की सूची से निकाल दिया जाएगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक,
विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 12th October, 2007

No. 68/(RE-2007)/2004—2009

F. No. 01/94/180/143/AM 08/PC-I.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby notifies the following Guidelines for recognition of various Agencies and authorizing these agencies to issue Certificate of Origin (Non-Preferential) in Appendix-4C of Handbook of Procedure, (Volume-I):—

- (a) Applicant Chamber of Commerce, Industry Associations etc. must be registered as a Company, a Society or a Trust under the relevant Act of the Government and should not have been set up for profit. Proprietorship/partnership firms shall not be entitled for this recognition.
- (b) The applicant must have a minimum office space of 1000 sq. ft.
- (c) The applicant must have a minimum of 5 employees (excluding support in form of Group 'D' employees) on its pay rolls. At least 2 of such employees should be technically qualified.

- (d) The applicant seeking recognition should regularly be conducting export promotion activities and should present a proof of having conducted at least 3 events in one licensing year through some reputed agency of trade promotion.

Guidelines for the Regional Authorities to carry out inspections :

- (a) The inspection shall be carried out by at least an officer of the rank of FTDO/Asstt. DGFT who shall be assisted by at least another official.
- (b) The inspection report will precisely cover all the details given in the application form and verify the same before recommending enlistment.
- (c) The inspection report will give the details of the Agency about meeting the criteria for enlistment as given in the guidelines.

2. All the agencies already enlisted for issuing a Certificate of Origin (Non-Preferential) under Appendix-4C are required to fulfill all the above criteria with documentary proof latest by 31-3-2008, failing with their recognition as authorized agencies to issue Certificate of Origin (Non Preferential) will be cancelled and they will be de-listed from Appendix-4C w.e.f. 1-4-2008.

R. S. GUJRAL, Director General
of Foreign Trade & ex. officio Addl. Secy.